महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

Department of Performing Arts

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र)

B.A. (Dramatic Arts)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome Based Curriculum

Year- 2022

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियमके प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

साहित्य विद्यापीठ विश्वविद्यालय अधिनियम के अंतर्गत स्थापित प्रारम्भिक चार विद्यापीठ में से एक है. हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साथ संवाद, तुलनात्मक अध्ययन, शोध एवं प्रदर्शनकारी कलाओं (फिल्म एवं थियेटर) का अध्ययन एवं शोध इस विद्यापीठ की अभीष्ट गतिविधियाँ हैं। विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविध्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय मस्तिष्क और उसकी सृजनशीलता एवं साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। भाषा और साहित्य अनेक और बहुविध हैं, किंतु उनका सर्जकमानस और आस्वादकचित्त अपने संस्कारों के भेद के बावजूद बुनियादी प्रकृति में एक-सा है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएं है। इन संभावनाओं कासन्धान और शोध विद्यापीठ की प्राथमिकता है। इसके अकादमिक उद्दश्यों की उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय भावात्मक एकता तथा मानवीय सह-भाव की सम्पुष्टि भी अभीप्सित है।

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ संबंध परम्परा मान्य है। नयी प्रौद्योगिकी और मीडिया से भी साहित्य का अपरिहार्य संबंध विकसित हुआ है। इस दृष्टि से अन्तरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध साहित्य विद्यापीठ की प्राथमिकताओं में है। एकल साहित्य अध्ययन तुलनात्मक भारतीय साहित्य तथा प्रदर्शनकारी कलाओं का अध्ययन एवं शोध विद्यापीठ की प्रतिश्रुति है।

18/10/22

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

3. विभाग /केंद्र की कार्य योजना (Action plan of the Department)

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	-
शोध **Research**	विभागद्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department)
	पीएच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme)
	शोध-परियोजना (Research Project)
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि, संवाद विधि, पर्यवेक्षण तथा विधि का प्रयोग।
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning forthe Publication (if any)	कलाकोश का निर्माण

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग।
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम** :प्रदर्शनकारी कला विभाग
   (Name of the Department/Centre) Department of Performing Arts

2. **पाठ्यक्रम का नाम** :बी. ए. (नाट्यकलाशास्त्र)
   Name of theProgramme-B.A.(Dramatic Art)

3. **पाठ्यक्रम कोड: :** GPD
   (Code of theProgramme: GPD

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
भारतीय कला, संस्कृति तथा सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित ज्ञान अर्जित करना। कला के सामाजिक एवं आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए वैचारिक ऊर्जा तथा विवेक का निर्माण करना। कला अथवा नाट्यकला के अध्ययन के माध्यम से जीवन मूल्यों का निर्माण करना। कला अध्ययन के माध्यम से राष्ट्र की भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना को संपुष्ट करना।	नाट्यकला के माध्यम से व्यक्तित्व एवं विवेक का विकास के साथ कला अभ्यास के माध्यम से भाषाई कौशल का विकास करना। सृजनात्मक आयोजनों में सहभागिता के द्वारा लेखन, वाचन तथा श्रवण के साथ कल्पनाशक्ति का विकास तथा नेतृत्व क्षमता का विकास करना। शिल्पगत कलाओं के अभ्यास से विभिन्न प्रकार के शिल्प कला में पारंगत होना। कला प्रशासक, प्रबंधक तथा संरक्षक जैसे विशिष्ट गुणों का विकास करना। कला समीक्षा तथा विवेचन कीअभिवृद्धि करना।	विभिन्नप्रोडक्शनहाउस (फिल्म तथा नाटक) में आर्ट डिजाइनर,प्रकाश परिकल्पक,वेशभूषाकार, रूपसज्जाकार, अभिनेता, निर्देशक, कला प्रबंधक, कला प्रशासक, कला संरक्षक तथा कला पत्रकारिता आदि के क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं सुलभ हो सकेंगे।

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**
   अ. इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एवं परीक्षा हेतु विशविद्यालय के समस्त वर्तमान नियम एवं उपनियम लागू होंगे। प्रवेशार्थियों से अपेक्षा है कि वे इन समस्त नियमों एवं उपनियमों का भली भांति अध्ययन कर ले।
   ब. श्रेणी एवं क्रेडिट पद्धिति विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार प्रभावी होगी।
   क. नाट्यकला से संबंधित सभी व्यावहारिक प्रश्न पत्रों में नाट्य प्रस्तुति हेतु आलेखों का चयन यथासंभव पाठ्यक्रम में निर्धारित आलेखों में से किया जायेगा। पाठ्यक्रम से बाहर के नाट्यालेखों के मंचन की दशा में विभागाध्यक्ष की अनुमति आवश्यक होगी।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya

ड. प्रत्येक छात्र को नाटयप्रस्तुति में दिया गया कार्य करना अनिवार्य होगा। व्यावहारिक परीक्षा समग्र भागीदारी पर आधारित होगी

6. स्नातक पाठ्यक्रम (नाट्यकलाशास्त्र) हेतु पाठ्यचर्या संरचना

(चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 03= 12 क्रेडिट	04 X 02	20 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 03= 12 क्रेडिट	04 X 02	20 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 03= 12 क्रेडिट	04 X 02	20 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 03= 12 क्रेडिट	04 X 02	20 क्रेडिट
पाचवां सेमेस्टर	04 X 03= 12 क्रेडिट	04 X 02	20 क्रेडिट
छठवां सेमेस्टर	04 X 03= 12 क्रेडिट	04 X 02	20 क्रेडिट
सातवा सेमेस्टर	04 X 04 = 16 क्रेडिट	04 X 01	20 क्रेडिट
आठवा सेमेस्टर	04 X 04 = 16 क्रेडिट	04 X 01	20 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**104 क्रेडिट**	**56 क्रेडिट**	**160 क्रेडिट**

टिप्पणी-मूल पाठ्यचर्या 104 क्रेडिट विभाग द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध है। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय के किसी विभाग/केंद्रसे अधिकतम 56 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

अध्यक्ष / HEAD
10/10/22
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavid...

पाठ्यचर्या रूपरेखा(Curriculum Outline)

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

प्रदर्शनकारी कला विभाग

नाट्यकलाशास्त्र

मूल पाठ्यचर्या

वर्ष	छमाही	प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्नपत्र	पाठ्यचर्या कोड	क्रेडिट	कुल क्रेडिट
प्रथम (सर्टिफिकेट)	प्रथम	1	नाट्यकलाशास्त्र के विविध आयाम (Multiple Dimension of Dramatic Arts)	GPD 101	04	12
		2	अभिनयकला (Acting)	GPD 102	04	
		3	मंच विन्यास (व्यावहारिक) Stage Design	GPD 103	04	
	द्वितीय	1	नाट्यशास्त्र Natyashastra	GPD 104	04	12
		2	पारंपरिक एवं लोकनाट्य Traditional and Folk theatre	GPD 105	04	
		3	अभिनय (व्यावहारिक) Acting	GPD 106	04	
द्वितीय (डिप्लोमा)	तृतीय	1	संस्कृत नाटक और रंगमंच Sanskrit Drama and Theatre	GPD 107	04	12
		2	अभिनय सिद्धांत एवं प्रयोग Theory and Practice of Acting	GPD 108	04	
		3	प्रकाश विन्यास (व्यावहारिक) Light Design (Practicle)	GPD 109	04	
	चतुर्थ	1	हिंदी नाटक और रंगमंच Hindi Drama and Theatre	GPD 110	04	12
		2	ग्रीक रंगमंच Greek Theatre	GPD 111	04	
		3	एशियाई पारंपरिक नाट्य Asian Traditional Theatre	GPD 112	04	
तृतीय (स्नातक)	पंचम	1	भारतीय भाषाओं का रंगमंच Theatre of Indian Languages	GPD 113	04	12
		2	कला प्रबंधन एवं संरक्षण Art Management and	GPD 114	04	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (संगीत और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Music & Drama)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya
18/10/22

			Preservation			
		3	नाट्य संगीत Theatre Music	GPD 115	04	
	षष्ठम	1	पाश्चात्य रंगमंच Western Theatre	GPD 116	04	12
		2	भारतीय रंगमंच की विविध धाराएँ Multiple Streams of Indian Theatre	GPD 117	04	
		3	रंगस्थापत्य एवं दृश्य विन्यास Theatre Architecture and Scenic Design	GPD 118	04	
चतुर्थ **(स्नातक प्रतिष्ठा)**	सप्तम	1.	कलाशास्त्र Kalashastra	GPD 119	04	16
		2.	प्रस्तुति प्रक्रिया Production Process	GPD 120	04	
		3.	विश्व रंगमंच World Theatre	GPD 121	04	
		4.	नाट्य प्रस्तुति (व्यावहारिक) Production of Play	GPD 122	04	
	अष्ठम	1.	समकालीन भारतीय रंगमंच Contemporary Indian Theatre	GPD 123	04	16
		2.	नाटक लेखन एवं समालोचना Play Writing & Critism	GPD 124	04	
		3.	शोध के मूलभूत आधार Fundamental of Research	GPD 125	04	
		4.	लघु शोध प्रबंध /Dissertation	GPD 126	04	

प्रदर्शनकारी कला विभाग

नाट्यकलाशास्त्र

ऐच्छिक पाठ्यचर्या

वर्ष	छमाही	प्रश्नपत्र	क्रेडिट	कुल क्रेडिट
प्रथम **(सर्टिफिकेट)**	प्रथम	कला प्रबंधन एवं संरक्षण	04	08
		भारतीय कला	04	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

प्रथम वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	45
ट्यूटोरियल/	9+6=15
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- नाट्यकलाशास्त्र के विविध आयाम**
2. **पाठ्यचर्या कोड:** GPD 101
(Code of the Course)
3. **क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष:**प्रथम
(Credit-04) (Semester/Year- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाट्यकलाशास्त्र के विवधि आयाम के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए नाट्यकलाशास्त्र के विवधि आयामों में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. नाट्यकलाशास्त्र के रूप-स्वरूप के विषय का ज्ञान होगा।
2. नाट्यकलाशास्त्र के विविध आयामों का ज्ञान होगा।
3. नाट्यकलाशास्त्र के विविध आयामों के अंतर संबंध, सह-संबंध के विषय में जानकारी प्राप्त होगी।
4. नाट्यकलाशास्त्र के विविध आयामों की अनुप्रायोगिक उपयुक्ता का व्यवहारिक ज्ञान मिलेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)**
		व्या-ख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला** Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	नाट्यकला एवं संबद्ध कलाओं का परिचय एवं अंत:संबंध – नृत्य, साहित्य, संगीत, चित्रकला, स्थापत्यकला इत्यादि	**15**	**3**	**2**	**20**	**33.3**
मॉड्यूल-2	नाट्यकला एवं समाजकार्य, चिकित्सा, शिक्षा	15	**3**	**2**	**20**	**33.3**
मॉड्यूल -3	नाट्यकला के क्षेत्र में रोजगार के विविध अवसर – कला प्रशासक, कला संरक्षक, कला पत्रकारिता	15	**3**	**2**	**20**	**33.3**
योग		**45**	**9**	**6**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अध्यक्ष
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाट्य) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

Dept. of Performing Arts (Music & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. स्वतंत्र कलाशास्त्र- के. सी. पाण्डेय, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी 2. कला- हंस कुमार तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद , पटना 3. गौरवशाली भारतीय संस्कृति – प्रो. रजनीश शुक्ल, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली। 4 . कला विवेचन- कुमार विमल ,भारती भवन,पटना 5 . कला और संस्कृति- वसुदेव शरण अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 6. काव्य और कला तथा अन्य निबंध- जयशंकर प्रसाद, भारती –भंडार , इलाहाबाद ,पञ्चम संस्करण,1958 7. 'हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन एण्ड इंडोनेशियन आर्ट- आनंद कुमारस्वामी 8. Dance of Shiva- Ananda Coomarswamy(The Dance of Shiva: Fourteen Indian Essays, Revised Ed., New York. The Noonday Press, 1957) 9.Art and Swadeshi-Ananda Coomarswamy,Munshiram Manoharlal Publishers; First (31December,2001). 10. पाश्चात्य कला – ममता चतुर्वेदी , राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादेमी , जयपुर 11. कलाशास्त्र की रूपरेखा - ओम प्रकाश भारती, मानक प्रकाशन ,दिल्ली
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. कोठारी,कोमल- साहित्य, संगीत और कला , जयपुर ,1960 2. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर,वासुदेव उपाध्याय, - बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी 3. भारत शिल्प के षडंग - ठाकुर,अवनीन्द्रनाथ (अनुवादक, महादेव साहा, इलाहाबाद,1958) 4.कुमार विमल,सौंदर्य शास्त्र के तत्व, राजकमल प्रकाशन 1968 5. कला-चित्रकला – विनोद भारव्दाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 6. भारतीय सौदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा, सुरेन्द्र एस. बरलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली 7. कला, साहित्य और संस्कृति-ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

प्रथम वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	48
ट्यूटोरियल/	08+4=12
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

4. **पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- अभिनयकला (Acting)**
5. **पाठ्यचर्याकाकोड: (Code of the Course) GPD102**
6. **क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष:प्रथम**

(Credit-04) (Semester/Year- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य अभिनयकला के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए अभिनयकला के परिचय, रूप स्वरूप तथा अभिनय पद्धति, अभिनय सिद्धांत आदि विषयों में में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. अभिनय का अर्थ, स्वरूप, परिभाषा से छात्र अवगत होगा।
2. अभिनय के सिद्धांत, पद्धति, शैली से परिचय होगा।
3. नाट्यशास्त्र में वर्णित चर्तुविद अभिनय से परिचय होगा।
4. व्यवहार की दृष्टि से अभिनय का प्रयोग करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	अभिनयकला का सामान्य परिचय, भारतीय अभिनय पद्धति	12	02	01	15	25
मॉड्यूल-2	अभिनय के प्रकार (चार्तुदिक अभिनय, चित्राभिनय) पारंपरिक एवं लोकनाट्यों मे अभिनय अभिनय के अन्य प्रकार – आशु अभिनय, मूक अभिनय आदि	12	02	01	15	25
मॉड्यूल -3	विभिन्न शास्त्रीय चारियों तथा गतियों का अभ्यास नृत्य संरचना की अवधारणा तथा अभ्यास विभिन्न अभिनयपरक लोकनृत्य रूपों का अध्ययन और अभ्यास	12	02	01	15	25
मॉड्यूल -4	अभिनय एवं योग शौर्यकलाएँ , नाट्य खेल	12	02	01	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya
18/10/22

	आवाज एवं संभाषण, कवितापाठ तथा कहानीपाठ					
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya
18/10/22

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार पाठ्य ग्रंथ	1.अभिनेता की तैयारी, स्तानिस्लाव्स्की (हिंदी अनुवाद) एन.एस.डी. दिल्ली . 2.भरतमुनि का नाट्यशास्त्र - बाबुलाल शास्त्री शुक्ल 3. रंगप्रसंग (अभिनय वशिषांक) अप्रैल- सितंबर, 2010, रा.ना.वि. 4. अभिनय चिंतन – दिनेश खन्ना, इंटरकांटिनेंटल,नयी दिल्ली. 5. चरित्र की रचना प्रक्रिया - स्तानिस्लाव्स्की (हिंदी अनुवाद) एन.एस.डी. 6. रंगभाषा – गिरीष रस्तोगी
2.	संदर्भ-ग्रंथ	दर्शन-प्रदर्शन – देवेन्द्रऐ राज 'अंकुर' रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र - देवेन्द्र राज 'अंकुर'
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

प्रथम वर्ष, सत्र 2022 – 2023

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- मंच विन्यास (व्यावहारिक) Stage Design (Practicle)

7. **पाठ्यचर्या कोड:**GPD 103
(Code of the Course)
8. **क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष:**प्रथम
(Credit-04) (Semester/Year- First)

घटक	घंटे
कक्षा	45
ट्यूटोरियल/	6+9=15
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य मंच विन्यास की परिकल्पना , रूप स्वरूप, पद्धतियों के विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए मंच विन्यास की विविध पद्धतियाँ, शैली तथा उससे संबंधित व्यवहारिक प्रयोग, तकनीकी तथा उसका अनुप्रयोग विषय में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा-

1. मंच विन्यास की परिकल्पना, व्याख्या, रूप स्वरूप का परिचय होगा।
2. मंच विन्यास के उपयोग तथा अनुप्रयोगों से अवगत होगा।
3. मंच विन्यास के पद्धतियों तथा विविध मंच विन्यासकारों की जानकारी प्राप्त होगी।
4. मंच विन्यास का व्यवहारिक अनुभव तथा ज्ञान प्राप्त होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	मंच विन्यास की अवधारणा एवं परिकल्पना चित्रकला एवं नाट्यविन्यास, रंगशिल्प, तकनीकी रेखा, रेखा चित्रकला,चित्रकारी, काष्ठकला	15	03	02	20	33.3
मॉड्यूल-2	संस्कृत, ग्रीक, पारंपरिक लोक रंगमंच, तथा समकालीन भारतीय रंगमंच का मंच विन्यास	15	03	02	20	33.3
मॉड्यूल -3	आधुनिक भारतीय रंगमंच के चयनित नाटकों के मंच विन्यास का अध्ययन एवं अभ्यास (अंधायुग/घासीराम कोतवाल/चक्रव्यूह/कल्लोल/गुड़िया घर/तुगलक /चरणदास चोर/आषाढ़ का एक दिन)	15	03	02	20	33.3

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya

योग		45	09	06	60	100

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	

अध्यक्ष/HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.शर्मा , एच. वी. , चतुरस्र मध्यमा नाट्यमंडप ,राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय 2. चतुर्वेदी , रवि , दृश्य विन्यास ,पब्लिकेशन स्कीम , जयपुर 3.दासगुप्ता, जी. एन. , मंच आलोकन ,नेशनल बुक ट्रस्ट 4 .शास्त्री , बाबूलाल ,नाट्यशास्त्र ,चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी 5 . भारती, ओम प्रकाश- नाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति(संपादित)
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.वेलानी , अनमोल ,बियॉन्ड द प्रोसीनियम ,इंडिया आर्ट्स फाउंडेशन 2.आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 3. बेंटले , एरिक , द थ्योरी ऑफ़ मॉडर्न स्टेज, 4.वरदपांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

प्रथम वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- नाट्यशास्त्र

(Natyakalashastra)

9. पाठ्यचर्या कोड: GPD 104
(Code of the Course)

10. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: प्रथम
(Credit-04) (Semester/Year- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाटक एवं रंगमंच के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए नाटक एवं रंगमंच विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. नाट्यशास्त्र के इतिहास एवं प्रतिपाद्य विषय का ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. रस निष्पति तथा अभिनय का ज्ञान प्राप्त करेगा।
3. रंग स्थापत्य, नाट्यसिद्धि तथा वृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करेगा।
4. नाट्यशास्त्र आधारित अभिनय पद्धति सीखेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	नाट्यशास्त्र प्रतिपाद्य विषय- रचना काल, भाषा तथा विभिन्न अध्यायों का संक्षिप्त परिचय तथा दर्शन	10	03	02	15	25
मॉड्यूल-2	अध्याय 1 से 4 (संक्षिप्त अध्ययन)	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -3	अध्याय 5 से 9 (संक्षिप्त अध्ययन)	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -4	नाट्यशास्त्र आधारित गति, चारी, आहार्य इत्यादि का संक्षिप्त अध्ययन	10	03	02	15	25
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	X	X	X

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

अध्यक्ष/HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.राजपुरोहित,भगवतीलाल,संस्कृत नाटक और रंगमंच,शिवालिक प्रकाशन,नई दिल्ली,२००३ 2. गैरोला,वाचस्पति,संस्कृत साहित्य का इतिहास,चौखंबा प्रकाशन,वाराणसी, 3.द्विवेदी पारसनाथ,नाट्यशास्त्र का इतिहास,चौखम्बाप्रकाशन 4 . शास्त्री , बाबूलाल , नाट्यशास्त्र , चौखम्बाप्रकाशन 5 . वात्स्यायन , कपिला,भरतदनाट्यशास्त्र
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.वात्स्यायन,कपिला,भारतीयशास्त्रीयनृत्य 2.आनंद , महेश , रंगमंचकेसिद्धांत , राजकमलप्रकाशन 3. सिंघल , डॉ , अरस्तूऔरभरत , अरुणप्रकाशन , चंडीगढ़ 4.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्रीऑफ़इंडियनथिएटर , अभिनवप्रकाशन
3.	ई-संसाधन	विभिन्नवेबसाईटएवंव्याख्यानइत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

प्रथम वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	45
ट्यूटोरियल/	09+6=15
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- पारंपरिक एवं लोकनाट्य (Traditional and folk theatre)

11. पाठ्यचर्या कोड: GPD 105
(Code of the Course)

12. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर- द्वितीय /वर्ष: प्रथम
(Credit-04) (Semester/Year- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पारंपरिक एवं लोकनाट्य विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए पारंपरिक एवं लोकनाट्य विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. पारंपरिक नाट्य परपरा का ज्ञान होगा।
2. लोकनाटकों का ज्ञान होगा।
3. पारंपरिक तथा लोकनाटकों के शिल्पों का ज्ञान होगा।
4. पारंपरिक तथा लोकनाटकों की अभिनय पद्धतियों का ज्ञान होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-I	पारंपरिक एवं लोकनाट्य - अर्थ, परिभाषा,उद्भव, विशेषताएँ, वर्गीकरण और विकास	15	3	2	20	**33.3**
मॉड्यूल-2	भारत के प्रमुख लोकनाट्यों का कथ्य, प्रस्तुति शिल्प, अभिनय तथा कलाकारों आदि का अध्ययन (जात्रा, शुमाङ्ग्लीला, नटुवा नाच,भांड पाथेर, करियाला, ख्याल ,भवई , सांग ,नौटंकी,माच,नाचा, तमाशा ,तेरूकूथु , यक्षगान, मुगल तमाशा आदि	15	3	2	20	**33.3**
मॉड्यूल -3	पारंपरिक नाट्यरूपों का अध्ययन– कुड्डीयाट्टम, अंकिया नाट, कीर्तनियाँ , प्रह्लादनाटकम आदि	15	3	2	20	**33.3**
योग		**45**	**09**	**06**	**60**	**100**

टिप्पणी:

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और रंगमंच) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	माथुर,जगदीशचंद्र – परंपराशील नाट्य , बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना। वात्स्ययन , कपिला – परम्पराशील नाट्य की अनंत धाराएं , नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली। त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण – भारत के लोकनाट्य। भारती, ओम प्रकाश-बिहार के पारंपरिक नाट्य, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र , प्रयागराज भारती, ओम प्रकाश- पूर्वोत्तर के पारंपरिक नाट्य, धरोहर प्रकाशन, साहिबाबाद
2.	संदर्भ-ग्रंथ	भनावत, महेंद्र - लोकनाट्य परंपरा और प्रवृति गार्गी, बलवंत - इंडियन फोक थियेटर
3.	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष/HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

प्रथम वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	48
ट्यूटोरियल/	08+04 =12
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- अभिनय (व्यावहारिक) (Acting)

13. पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 106
(Code of the Course)
14. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: प्रथम
(Credit-04) (Semester/Year- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य अभिनय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए अभिनय विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **अभिनय का ज्ञान होगा।**
2. **वाचिक एवं आंगिक एवं सात्विक अभिनय सीखेगा।**
3. **आहार्य अभिनय सीखेगा ।**
4. **विभिन्न अभिनय पद्धति का ज्ञान होगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	- रस सिद्धांत व अभिनय के सिद्धांत एवं प्रकार - भाव की परिभाषा, प्रकार	12	2	1	15	**25**
मॉड्यूल-2	आंगिक, वाचिक, सात्विक व आहार्य तथा चित्राभिनय	12	2	1	15	**25**
मॉड्यूल -3	- आशु अभिनय - मूक अभिनय - अभिनय के लिए भूमिका एवं चरित्र चित्रण - संभाषण, उच्चारण, प्रक्षेपण,मूकभिनय,देह भाषा, स्वर एवं लय का अभ्यास - मानव अभियांत्रिकी का अध्ययन (मानव शरीर के	12	2	1	15	**25**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts, Film & Theatre
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	विभिन्न तंत्रों का अध्ययन) - नाट्य प्रस्तुति					
मॉड्यूल -4	आवाज एवं संभाषण, कवितापाठ तथा कहानीपाठ, एकालाप संवाद	12	2	1	15	**25**
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100**

टिप्पणी:

11. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
12. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.अभिनय चिंतन – दिनेश खन्ना इंटरकांटिनेंटल, नयी दिल्ली. 2. चरित्र की रचना प्रक्रिया, स्तानिस्लाव्स्की (हिंदी अनु.) एन.एस.डी. 3. भूमिका की संरचना, स्तानिस्लाव्स्की (हिंदी अनु.) एन.एस.डी. 4. नाट्यशास्त्र (भाग – 1,2,3 व 4)- बाबूलाल शास्त्री शुक्ल 5.पारसी रंगमंच, रणबीर सिंह, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर 6. स्टाइल्स ऑफ थिएटर एक्टिंग – सुनीता धीर, ज्ञान पब्लिकेशन, दिल्ली 7. रंग प्रसंग (अभिनय विशेषांक) अप्रैल-सितंबर, 2010, रा.ना.वि. 8. भरतमुनि का नाट्यशास्त्र - बाबुलाल शास्त्री 'शुक्ल'
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavid

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- संस्कृत रंगमंच

Sanskritit Theatre

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 107

(Code of the Course)

15. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: द्वितीय

(Credit-04) (Semester/Year- Second)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य एवं संस्कृत रंगमंच विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए संस्कृत रंगमंच विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. संस्कृत रंगमंच का परिचय एवं उसके रूप- स्वरूप से परिचित होगा।
2. संस्कृत रंगमंच के अंतर्गत विभिन्न नाटकों से अवगत होगा।
3. संस्कृत नाटक और नाटककारों से परिचित होगा।
4. संस्कृत नाटकों की संरचना, रचनाशिल्प, एवं शैली को जान पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	संस्कृत नाटक का उद्भव एवं विकास	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	नाट्यविधान : पूर्व रंग, नान्दीपाठ, भरतवाक्य इत्यादि	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	प्रमुख नाटककार अश्वघोष, भास, कालिदास, भवभूति, शुद्रक, विशाखदत्त, राजशेखर, हर्ष इत्यादि	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	संस्कृत नाटकों की विशेषताएँ एवं शिल्प विधान – कथ्य, मंच, नाट्य रूढिया आदि	10	3	2	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

योग		40	12	8	60	100

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

13. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण** **(APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.राजपुरोहित,भगवतीलाल,संस्कृत नाटक और रंगमंच,शिवालिक प्रकाशन,नई दिल्ली,२००३ 2. गैरोला,वाचस्पति,संस्कृत साहित्य का इतिहास,चौखंबा प्रकाशन,वाराणसी. 3.द्विवेदी पारसनाथ,नाट्यशास्त्र का इतिहास,चौखम्बाप्रकाशन 4 . शास्त्री , बाबूलाल , नाट्यशास्त्र , चौखम्बाप्रकाशन
2.	संदर्भ-ग्रंथ	संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व
M.G.A

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

द्वितीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- अभिनय सिद्धांत एवं प्रयोग (Theory and Practice of Acting)

16. पाठ्यचर्या कोड: GPD 108
(Code of the Course)
17. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष:द्वितीय
(Credit-04) (Semester/Year- second)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचयस्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **अभिनय की विभिन्न पद्धतियो का ज्ञान होगा।**
2. **अभिनय तथा नाट्य प्रयोग का ज्ञान होगा।**
3. **अभिनय सीख सकेगा।**
4. **अभिनय के वैश्विक परंपरा का ज्ञान होगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)**
		व्या-ख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला** Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	भरतमुनि का अभिनय सिद्धांत	10	3	2	15	**25**
मॉड्यूल-2	भारतीय लोकनाट्य का अभिनय सिद्धांत	10	3	2	15	**25**
मॉड्यूल -3	पाश्चात्य अभिनय पद्धितियॉ- स्तानिस्लावस्की , ब्रेख्त, युजिना बाबो, आर्तो, मेयरहोल्ड, चेखव, ग्रोतोवस्की इत्यादि	10	3	2	15	**25**
मॉड्यूल -4	एशियाई अभिनय पद्धितियॉ काबुकी, जियामी, कनामी, जिन्जी इत्यादि	10	3	2	15	**25**
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
18/10/22

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और रंगमंच) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.नसीम,कमल , ग्रीक नाट्यकला कोश, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 2. मिश्र, विश्वनाथ,भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त ,कुसुम प्रकाशन 3.द्विवेदी, पारसनाथ ,नाट्यशास्त्र का इतिहास , चौखम्बा प्रकाशन 4 . शास्त्री , बाबूलाल , नाट्यशास्त्र , चौखम्बा प्रकाशन 5 . वात्स्यायन , कपिला,भरतदनाट्यशास्त्र 6. अभिनय चिंतन, दिनेश खन्ना, इंटरकांटिनेंटल, नयी दिल्ली
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.स्तनिस्लावस्की,के.-अभिनेता की तैयारी(भाषांतर-विश्वनाथ मिश्रा),राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2002 2.आनंद,महेश,अंकुर,देवेंद्रराज-रंगमंच केसिद्धांत , राजकमलप्रकाशन,2008 3. खन्ना,दिनेश-अभिनय चिंतन,वाणीप्रकाशन ,नई दिल्ली,२०१२ 4.वरदपांडे , मनोहर-हिस्ट्रीऑफ़इंडियनथिएटर, अभिनवप्रकाशन 5.स्तनिस्लावस्की,के.-चरित्र की रचना प्रक्रिया (भाषांतर-विश्वनाथ मिश्रा),राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2001 6. स्तनिस्लावस्की,के.-भूमिका की संरचना(भाषांतर-विश्वनाथ मिश्रा),राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2002
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीयनाट्यविद्यालय,सी.सी.आर.टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषय क फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग,ई.पी.जीपठशालाएवंयू-ट्यूबद्वाराऑनलाइनविडियो, विभिन्न वेबसाईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षा गत नोट स्का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film & Theatre)

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

द्वितीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- प्रकाश विन्यास (व्यावहारिक) Light Design

18. पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 109
(Code of the Course)
19. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर - /वर्ष: द्वितीय
(Credit-04) (Semester/Year- Second)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. प्रकाश विन्यास एवं संयोजन का ज्ञान होगा।
2. प्रकाश विन्यास के सिद्धांत का ज्ञान होगा।
3. नाटकों के लिए प्रकाश संयोजन करेगा।
4. मंच प्रदर्शन के लिए प्रकाश संयोजन करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	प्रकाश विन्यास की अवधारणा	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	प्रकाश संयोजन तथा नाट्यपाठ का विश्लेषण	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	प्रकाश के प्रमुख उपकरण	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	प्रकाश के सिद्धांत,पात्रों की वेशभूषा, मंचविन्यास, नाटक की भावभूमि आदि के संदर्भ में प्रकाश परिकल्पना चयनित नाट्कों के प्रकाश ग्रांउंड प्लांन ,नृत्य संगीत तथा बडे महोत्सवों का प्रकाश संयोजन	10	3	2	15	25
योग		40	12	08	60	100

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwa Vidyalaya, Wardha

टिप्पणी:

17. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण** **(APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.रंगकर्म – वीरेन्द्र नारायण 2. नाट्यविन्यास – ओमप्रकाश भारती (संपादन) 3. नाट्यप्रस्तुति – रमेश राजहंस 4. नटरंग तथा रंग प्रसंग का रंगशिल्प विशेषांक
2.	संदर्भ-ग्रंथ	Light Design – A.Das Gupta
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

द्वितीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	9 + 6= 15
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- हिंदी नाटक और रंगमंच (Hindi Drama and Theatre)

20. पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 110
(Code of the Course)
21. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: द्वितीय
(Credit-04) (Semester/Year- Second)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचयस्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

1. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का ज्ञान होगा।
2. हिन्दी के प्रमुख नाटककर एवं नाटकों का ज्ञान होगा।
3. हिन्दी नाटक के प्रयोगों का ज्ञान होगा।
4. नाटक लेखन सीखेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का उद्भव और विकासकालीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	हिन्दी रंगमंच के प्रमुख नाटककार और उनके नाटक – भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, धर्मवीर भारती, हबीब तनवीर, मोहन राकेश , सुरेन्द्र वर्मा, शंकर शेष, भीष्म साहनी, स्वदेश दीपक आदि ।	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के समकालीन प्रयोग- नाट्य निर्देशक तथा अभिनेता	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का व्यावहारिक पक्ष	10	3	2	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

19. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
20. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.वर्मा,रामकुमार-हिन्दी नाटक और रंगमंच,हिंदुस्तानी अकादमी, 2.ओझा,दशरथ,-हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,1965 3.सिंह,बच्चन-हिन्दीनाटक,साहित्य भवन प्र.लि.,इलाहाबाद.1958 4.गुप्त,सोमनाथ-हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास,हिन्दी भवन,इलाहाबाद,1950
2.	संदर्भ-ग्रंथ	हिन्दी साहित्य का इतिहास , नगेन्द्र हिन्दी नाटक और रंगमंच- जगदीश गुप्त
3.	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत का नोट प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, Wardha
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

द्वितीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- ग्रीक रंगमंच

(Greek Theatre)

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 111

(Code of the Course)

22. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: द्वितीय

(Credit-04) (Semester/Year- Second)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचयस्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. ग्रीक नाटकों का ज्ञान होगा।
2. ग्रीक रंगमंच की अभिनय पद्धति सीखेगा।
3. ग्रीक रंगमंच की वेशभुषा, प्रेक्षागृह का ज्ञान होगा।
4. ग्रीक रंगमंच के मुखौटों का निर्माण कार्य सीखेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	ग्रीक नाटक का उद्भव तथा विकास तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य प्रेक्षाग्रह,वेशभूषा, मुखौटे आदि का अध्ययन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	ग्रीक नाटक तथा नाटककार- एस्कल्स,सोफोक्लीस, युरोपीडीज, एरिस्टोफिनीज, मिनेन्डर आदि	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	यूनानी त्रास्दी का अध्ययन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	यूनानी कामेदी का अध्ययन	10	3	2	15	25
योग		40	10	08	60	100

टिप्पणी:

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाट्य) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

21. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

22. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

21. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र"	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

"विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाट्य) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.चेनी , शेल्डन ,रंगमंच, उत्तेर प्रदेश हिंदी संस्थान 2. ब्रोकेट , ओस्कर ,हिस्ट्री ऑफ़ थिएटर , पिएर्सन पब्लिकेशन 3.मिश्र , विश्वनाथ , भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिध्धांत ,कुसुम प्रकाशन 4 . वेल्स , डेविड , ग्रीक थिएटर परफॉरमेंस, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस 5 . सिअर , फ्रैंक , रोमन थिएटरस , ऑक्सफ़ोर्ड मोनोग्राफ 6. काव्य मीमांसा – राजशेखर 7.Dramatic concepts Greek and Indian: A study of poetics and Ntyashashtra, Bharat Gupt, DK Print Word, New Delhi-200016
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.नसीम , कमल ,ग्रीक नाट्य कला कोष,राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय 2.आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 3. सिंघल , डॉ , अरस्तू और भरत , अरुण प्रकाशन , चंडीगढ़ 4.शर्मा ,देवेन्द्र नाथ , पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,मयूर प्रकाशन , नॉएडा
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

18/10
अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

द्वितीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- एशियाई पारंपरिक नाट्य (Asian Traditional Theatre)

23. पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 112
(Code of the Course)
24. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: द्वितीय
(Credit-04) (Semester/Year- Second)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य एशियाई पारंपरिक नाट्य के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए एशियाई पारंपरिक नाट्य विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. दक्षिण एशियाई रंग परंपरा का ज्ञान होगा।
2. दक्षिणपूर्व एशियाई नाट्य परंपरा का ज्ञान होगा।
3. महत्वपूर्ण तथा पश्चिमी एशियाई रंगपरंपरा का ज्ञान होगा।
4. एशियाई पारंपरिक नाटकों की अभनय पद्धति तथा रंग विधानों को सीखेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	प्रमुख एशियाई देशों के इतिहास तथा सांस्कृतिक परंपराओं का परिचयात्मक अध्ययन- भारतीय संस्कृति का एशियाई देशों में प्रसार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	एशियाई पारंपरिक नाट्य, लोकनाट्य तथा चयनित नाट्यरूपों का अध्ययन –कुसान पाला, बालन, आजो ल्हमू, कोल्लम एवं नूरती, खोन,पिंगजू , छाम, जत प्वे, लाखोन, तोपेंग , नोह तथा काबुकी, बीजिंग ओपेरा, रामकेन आदि	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	एशियाई पारंपरिक पुतुल नाट्य - चीन , जापान , थाईलैंड , इंडोनेशिया आदि देशों के पुतुल नाट्यों का परिचयात्मक	10	3	2	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

	अध्ययन					
मॉड्यूल -4	एशियाई पारंपरिक नाट्यरूपो तथा भारतीय नट्यरूपों के अन्त: संबंध –महाकाव्यों पर विकसित रंगमंच (रामायध एवं महाभारत) जातक कथाओं पर आधारित नाटक अन्य मिथ्य कथाओं पर विकसित नाट्य रूप प्रदर्शन शिल्प – आंगिक गति चारी दृश्य संरचना आदि	**10**	**3**	**2**	15	**25**
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

23. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
24. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

23. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
24. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्यक्ष/HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• 1. *Ernst, E. (1956). The Kabuki Theatre. New York: Oxford University Press.* • *Scott, A. C. (1955). The Kabuki Theatre of Japan. London: George Allen & Unwin Ltd* • Meittian , Jukka- Asian Traditional Theatre, Theatre Academy of the University of Arts Helsinki. • Bharti, Om Prakash, Traditional Puppetry of South East Asia
2.	संदर्भ-ग्रंथ	• -Holcombe, Charles. *A History of East Asia: From the Origins of Civilization to the Twenty-First Century* (2010). • Ludden, David. *India and South Asia: A Short History* (2013).
3.	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष/HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- भारतीय भाषाओं का रंगमंच (Theatre of Indian Languages)

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 113

(Code of the Course)

25. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचयस्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. भारतीय भाषाओं के रंगमंच का ज्ञान होगा।
2. भारतीय भाषाओं के प्रमुख नाटककारों का ज्ञान होगा।
3. भारतीय भाषाओं के नाट्यप्रयोगों का ज्ञान होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	मराठी रंगमंच का उद्भव व विकास	10	3	2	15	**25**
मॉड्यूल-2	बांग्ला रंगमंच का उद्भव व विकास	10	3	2	15	**25**
मॉड्यूल -3	दक्षिण भारतीय भाषाओं का रंगमंच (कन्नड , तेलगु, तमिल)	10	3	2	15	**25**
मॉड्यूल -4	पूर्वोत्तर भारत का रंगमंच।	10	3	2	15	**25**
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

25. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
26. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

25. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
26. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.डॉ अज्ञात,भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास,पुस्तक संस्थान,कानपुर,1978 2.लाल,लक्ष्मीनारायण,रंगमंच और नाटक की भूमिका,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली,1965 3.चातक,गोविंद,नाट्यभाषा,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली, 4.नाट्यभाषा की परख,सहित्यगार पुस्तक प्रकाशन,जयपुर,(लेखक अज्ञात)
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीयनाट्यविद्यालय,सी.सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषय कफिल्में। शिक्षाआधारित ऐप का प्रयोग,ई.पी.जीपठशालाएवँयू-ट्यूबद्वाराऑनलाइनविडियो , विभिन्न वेबसाईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागतनोटस्काप्रयोग

18/8/2022

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- कला प्रबंधन एवं संरक्षण (Art Management and Preservation)

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 114

(Code of the Course)

26. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचयस्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. कला प्रबंधन का ज्ञान होगा।
2. विभिन्न कला संस्थानों की कला नीति तथा योजनाओं का ज्ञान होगा।
3. कला वस्तुओं के संरक्षण का ज्ञान होगा।
4. विभिन्न कला परंपराओं के संरक्षण का ज्ञान होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	कला प्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणा एवं स्वरूप प्रमुख कला संस्थानों की स्थापना, उद्देश्य और संरचना	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	कला क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्व (सभी भारत रत्न)	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	कला प्रशासक तथा प्रबंधक का व्यक्तित्व, शिक्षा तथा दायित्व	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	कला संरक्षण एवं रखरखाव कला वस्तुओं का संरक्षण एवं रखरखाव, संग्रहालय तथा विधिकाओं की मूर्ति तथा कला संरक्षण में भूमिका	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

27. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

28. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

27. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

28. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. नाट्य प्रस्तुति – प्रकाश के. नंदी 2. रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण 3. भारत का संवैधानिक विकास 4. हमारा संविधान – सुभाष कश्यप 5. Preservation of Art objects- O P Agrawal
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. जनसंपर्क प्रबंधन – कुमुद शर्मा 2. संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदन।
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवंयू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- नाट्य संगीत

(Theatre Music)

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 115

(Code of the Course)

क्रेडिट: 04 सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचयस्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. नाट्य संगीत का ज्ञान होगा।
2. विभिन्न मनोभाव तथा रसों के अनुरूप संगीत की राग - रागनियों का ज्ञान होगा।
3. नाट्य प्रयोग के लिए संगीत का संयोजन सीखेगा।
4. नाट्य संगीतकार बनेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	भारतीय संगीत का उद्भव, प्रकार एवं विभिन्न अंग नाट्यशास्त्र की संगीत पद्धति	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	नाट्य संगीत की अवधारणा, तत्व तथा सौंदर्य राग, ताल स्वर, छंद इत्यादि का परिचय	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	रस एवं राग – राग : राग ऋतु तथा अन्य मनोभाव	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	पारंपरिक एवं लोकनाट्यों की संगीत पद्धति	10	3	2	15	25
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

29. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

30. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

29. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

30. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भरत और उनका संगीत – आद्य प्रसाद रंग प्रसंग तथा नटरंग का विशेषांक
2.	संदर्भ-ग्रंथ	भारतीय संगीत का इतिहास – आचार्य बृहस्पति
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/	12+8 20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- भारतीय रंगमंच की विविध धाराएँ (Multiple Streams of Indian Theatre)

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 117

(Code of the Course)

27. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का ताल विस्तार अभ्यास का सामान्य परिचयस्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को संगीत विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **भारतीय रंगमंच के विविध धाराओं का ज्ञान होगा।**
2. **नाट्यशास्त्र एवं संस्कृत रंगमंच का ज्ञान होगा।**
3. **पारंपरिक एवं लोकनाटयों का ज्ञान होगा।**
4. **पारसी, इप्टा, पृथ्वी, मोबाइल तथा अन्य समकालीन नाट्य प्रयोगों का ज्ञान होगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	इप्टा, पृथ्वी थिएटर, सुरभि, पारसी, गुरूशरणसिंह का सामुदायिक थिएटर, शीला भाटिया का ओपेरा थिएटर, झाडीपट्टी रंगभूमी	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	भारत की प्रमुख रंग संस्थाएँ	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	भारतीय समकालीन रंगमंच के विविध प्रयोग	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	भारतीय समकालीन रंगमंच के प्रमुख नाट्य प्रयोक्ता शंभु मित्र शामानंद जालान के.एन.पनिक्कर हबीब तनवीर रतन थिएम	10	3	2	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

	बंसी कौल बलवंत गार्गी विजया मेहता					
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

31. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
32. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

31. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
32. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	रंगदर्शन, नेमिचंद जैन हिंदी रंगमंच का उद्भव एवं विकास , दशरथ ओझा पारसी थिएटर – रणवीर सिंह भारतीय रंगमंच की विविध धाराएँ- ओमप्रकाश भारती
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- रंग स्थापत्य एवं दृश्य विन्यास।

(Theatre Architecture and Scenic Design)

पाठ्यचर्या कोड: GPD 118

(Code of the Course)

28. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य रंग स्थापत्य एवं दृश्य विन्यास विषय से सामान्य परिचय कराते हुए रंग स्थापत्य एवं दृश्य विन्यास विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **रंग स्थापत्य का ज्ञान होगा।**
2. **पाश्चात्य एवं रंग स्थापत्य को सीखेगा।**
3. **दृश्य विन्यास का ज्ञान होगा।**
4. **दृश्य विन्यास को सीखेगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	रंग स्थापत्य का कालक्रमिक विकास तथा रंगशाला के विविध प्रकार	10	03	02	15	25
मॉड्यूल-2	दृश्य विन्यास की नाट्यशास्त्रीय अवधारणा (भरत नाट्यशास्त्र) दृश्य विन्यास की परिकल्पना एवं इतिहास	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -3	दृश्य विन्यास के सिद्धांत	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -4	आधुनिक दृश्य विन्यास की परिकल्पना	10	03	02	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

33. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

34. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

33. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

34. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.सीन डिजाइन एंड स्टेज लाइटिंग – पार्कर स्मिथ 2. दृश्य विन्यास, रवि चतुर्वेदी, पब्लिकेशन स्क्रीम, जयपुर 3. रंगमंच के सिद्धांत –महेश आनंद/ देवेन्द्र राज 'अंकुर' 4. मंच आलोकन –जी.एन. दासगुप्ता, नैशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, प्र.स. 2013 5. रंगभूषा – रोशन अल्काजी 6. रंग स्थापत्य – एच.वी. पब्लिकेशन 7. Stage Design Practical Guide – Gray thorne , The Crowood Press Ltd. Edi. 1999 8. Theatre and Performance Design (Reader in scenography), Edited by Jane Collines & Andrew Nisbet Routledge Publication 1st Edition 2010 9. Screenography an Indian Perspective – Satyagrata Raut Niyoga Books Edition 1st 2022
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा/	40
ट्यूटोरियल/	12+8 20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- कलाशास्त्र (Kalashastra)

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 119

(Code of the Course)

29. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य कलाशास्त्र का सामान्य परिचय कराते हुए कलाशास्त्र का परिचय, रूप- स्वरूप तथा कला की परिभाषा, उद्भव, विकास, कला की वैश्विक परंपरा, लोक एवं जनजातीय कलाएँ आदि विषयों में में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **भारतीय कला के रूप-स्वरूप से उसके व्याख्या से परिचित होगा।**
2. **विविध लक्षण एवं टीका गंथ से परिचित होगा।**
3. **कला की वैश्विक कला पंरपरा का अध्ययन करेगा।**
4. **लोक एवं जनजातिय कलाओं से संबधित ज्ञान प्राप्ति करेगा।**
5. **नाट्य तथा संबद्ध कलाओं से परिचित होगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	भारतीय कलाओं का उद्भव तथा विकास,वर्गीकरण, विभिन्न कलारूप,कला लक्षणग्रंथ,कला दर्शन एवं सौंदर्य	10	03	02	15	25
मॉड्यूल-2	कला की वैश्विक परंपरा- उद्भव, विकास, सिद्धांत (ग्रीक,यूरोपीय कला नवजागरण, चीन, जापान आदि का विशेष अध्ययन)	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -3	लोक एवं जनजातीय कलाएँ (भारतीय, दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण प्रशांत (मओरी आर्ट), नेटिव अमेरिकन आदि कलाओं का सामान्य परिचय)	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -4	संगीत, नृत्य , चित्र तथा स्थापत्य, पुतुल कला का परिचयात्मक अध्ययन तथा अन्य संवद्ध कलाओं	10	03	02	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (सिनेमा और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	का नाट्यकला में अनुप्रयोग					
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

35. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

36. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण** (APA प्रारूप में)

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. स्वतंत्र कलाशास्त्र- के. सी. पाण्डेय, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी 2. कला- हंस कुमार तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद , पटना 3. गौरवशाली भारतीय संस्कृति – प्रो. रजनीश शुक्ल, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली। 4 . कला विवेचन- कुमार विमल ,भारती भवन,पटना 5 . कला और संस्कृति- वसुदेव शरण अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 6. काव्य और कला तथा अन्य निबंध- जयशंकर प्रसाद, भारती –भंडार , इलाहाबाद ,पञ्चम संस्करण,1958 7. 'हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन एण्ड इंडोनेशियन आर्ट- आनंद कुमारस्वामी 8. Dance of Shiva- Ananda Coomarswamy(The Dance of Shiva: Fourteen Indian Essays, Revised Ed., New York: The Noonday Press, 1957) 9. कलाशास्त्र की रूपरेखा - ओम प्रकाश भारती, मानक प्रकाशन ,दिल्ली
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. कोठारी,कोमल- साहित्य, संगीत और कला , जयपुर ,1960 2. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर,वासुदेव उपाध्याय, - बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी 3. भारत शिल्प के षडंग - ठाकुर,अवनीन्द्रनाथ (अनुवादक, महादेव साहा, इलाहाबाद,1958) 4.कुमार विमल,सौंदर्य शास्त्र के तत्व, राजकमल प्रकाशन 1968 5. कला-चित्रकला – विनोद भारव्दाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 6. भारतीय सौदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा, सुरेन्द्र एस. बरलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली 7. कला, साहित्य और संस्कृति-ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

18/01/2022

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- प्रस्तुति प्रक्रिया (Production Process)

पाठ्यचर्या कोड: GPD 120

(Code of the Course)

30. क्रेडिट: 04 सेमेस्टर/वर्ष: चतुर्थ

(Credit-04) (Semester/Year- Fourth)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य प्रस्तुति प्रक्रिया एवं नाटक प्रस्तुति (व्यावहारिक) विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए प्रस्तुति प्रक्रिया एवं नाटक प्रस्तुति (व्यावहारिक) विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **नाट्य प्रस्तुति के विभिन्न चरणों का ज्ञान होगा**
2. **नाट्य निर्देशन सीखेगा।**
3. **नाट्य अभिनय सीखेगा।**
4. **मंच-निर्माण तथा रंग-विन्यास सीखेगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	प्रस्तुति प्रक्रिया की अवधारणा तथा विविध चरण	10	03	02	15	25
मॉड्यूल-2	नाटक का चयन एवं वस्तु विश्लेषण प्रमुख नाट्य कृतियों का अध्ययन	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -3	पूर्वाभ्यास तथा नाट्यालेख का निर्वचन	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -4	नाट्यनिर्माण एवं प्रस्तुति प्रक्रिया का क्रियान्वयन अभ्यास की समय सारणी नाटकनिर्देशन की रंगवृत्ति	10	03	02	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	नाट्य निर्माण तथा प्रस्तुति का दस्तावेजीकरण					
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

35. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

36. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

37. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

38. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	30				70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.शर्मा , एच. वी. , चतुरस्र मध्यमा नाट्यमंडप ,राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय 2. चतुर्वेदी , रवि , दृश्य विन्यास ,पब्लिकेशन स्कीम , जयपुर 3.दासगुप्ता, जी. एन. , मंच आलोकन ,नेशनल बुक ट्रस्ट 4 .शास्त्री , बाबूलाल ,नाट्यशास्त्र ,चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी 5 . भारती, ओम प्रकाश- नाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति(संपादित) 6. रंगकर्म – वीरेन्द्र नारायण 6. नाट्य प्रस्तुति – रमेश राजहंस 7. रंग प्रक्रिया के विविध आयाम – डॉ. सुषमा सिंह 8. चेनी , शेल्डन ,रंगमंच, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान 9.मिश्र , विश्वनाथ , भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत,कुसुम प्रकाशन 10 . आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.वेलानी , अनमोल ,बियॉन्ड द प्रोसीनियम ,इंडिया आर्ट्स फाउंडेशन 2.आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 3. बेंटले , एरिक , द थ्योरी ऑफ़ मॉडर्न स्टेज, 4.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- विश्व रंगमंच

(World Theatre)

पाठ्यचर्याकाकोड: GPD 121

(Code of the Course)

31. क्रेडिट: 04 सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विश्व रंगमंच विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए विश्व रंगमंच विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **पाश्चात्य रंगमंच के उद्भव एवं विकास के बारे मे जानेगा।**
2. **ऐलिजाबेथन थिएटर से परिचित होगा।**
3. **वैश्विक नये रंग पद्धति एवं रंग प्रवृत्तियों का शैली और शिल्प का ज्ञान मिलेगा।**
4. **वैश्विक नाटककारों के योगदान से अवगत होगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)**
		व्या-ख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला** Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	पाश्चात्य रंगमंच का उद्भव एवं विकास	**10**	**3**	**2**	15	**25**
मॉड्यूल-2	ऐलिजाबेथन थिएटर	**10**	**3**	**2**	15	**25**
मॉड्यूल -3	एब्सर्ड थिएटर, थिएटर ऑफ एलिएनेहा थिएटर ऑफ एलिजाबेथन थिएटर ऑफ द ओप्रेस्ड ब्लैक थिएटर	**10**	**3**	**2**	15	**25**
मॉड्यूल -4	पाश्चात्य प्रमुख नाटककार – शेक्सपियर, जॉर्ज बर्नाड शॉ, मेसियर इब्सेन, सेमुएल बेकेट, आईनेलकों, अल्वेयर	**10**	**3**	**2**	15	**25**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

	कामू, डोरियो फो, चेकोप्ट, जे.बी.प्रिस्टले, आर्थर मिलर, आंगस स्टीनबर्ग					
योग		40	12	8	60	100

टिप्पणी:

37. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

38. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

39. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

40. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. जापानी पारंपरिक रंगमंच – रितारानी पालिवाल 2. ग्रीक कलाकोष – कमल नसीम 3. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी 4. नाट्यशास्त्र का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी 5. भारत के प्राचीन नाटक – ए.बी.किथ
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. World Theatre the basis – E.J. Westtlake - 2017 2. The History of World Theatre - Margot Berthold - 1992 3. The World of Theatre Tradition and Innovation –
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

18/10/22

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- नाटक प्रस्तुति(व्यावहारिक)

पाठ्यचर्या कोड: GPD 122

(Code of the Course): PLAY PRODUCTION

32. क्रेडिट: 04 सेमेस्टर/वर्ष: चतुर्थ

(Credit-04) (Semester/Year- Fourth)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य प्रस्तुति प्रक्रिया एवं नाटक प्रस्तुति (व्यावहारिक) विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए प्रस्तुति प्रक्रिया एवं नाटक प्रस्तुति (व्यावहारिक) विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. **नाट्य प्रस्तुति के विभिन्न चरणों का ज्ञान होगा**
2. **नाट्य निर्देशन सीखेगा।**
3. **नाट्य अभिनय सीखेगा।**
4. **मंच-निर्माण तथा रंग-विन्यास सीखेगा।**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	प्रस्तुति प्रक्रिया की अवधारणा तथा विविध चरण	10	03	02	15	25
मॉड्यूल-2	नाटक का चयन एवं वस्तु विश्लेषण प्रमुख नाट्य कृतियों का अध्ययन	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -3	पूर्वाभ्यास तथा नाट्यालेख का निर्वचन	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -4	नाट्यनिर्माण एवं प्रस्तुति प्रक्रिया का क्रियान्वयन अभ्यास की समय सारणी नाटकनिर्देशन की रंगवृत्ति	10	03	02	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	नाट्य निर्माण तथा प्रस्तुति का दस्तावेजीकरण					
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

39. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

40. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

41. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

42. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.शर्मा , एच. वी. , चतुरस्र मध्यमा नाट्यमंडप ,राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय 2. चतुर्वेदी , रवि , दृश्य विन्यास ,पब्लिकेशन स्कीम , जयपुर 3.दासगुप्ता, जी. एन. , मंच आलोकन ,नेशनल बुक ट्रस्ट 4 .शास्त्री , बाबूलाल ,नाट्यशास्त्र ,चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी 5 . भारती, ओम प्रकाश- नाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति(संपादित) 6. रंगकर्म – वीरेन्द्र नारायण 6. नाट्य प्रस्तुति – रमेश राजहंस 7. रंग प्रक्रिया के विविध आयाम – डॉ. सुषमा सिंह 8. चेनी , शेल्डन ,रंगमंच, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान 9.मिश्र , विश्वनाथ , भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत,कुसुम प्रकाशन 10 . आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.वेलानी , अनमोल ,बियॉन्ड द प्रोसीनियम ,इंडिया आर्ट्स फाउंडेशन 2.आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 3. बेंटले , एरिक , द थ्योरी ऑफ़ मॉडर्न स्टेज, 4.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- समकालीन भारतीय रंगमंच (Contemporary Indian Theatre)

पाठ्यचर्या कोड: GPD 123

(Code of the Course)

33. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: चतुर्थ

(Credit-04) (Semester/Year- Fourth)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य समकालीन भारतीय रंगमंच विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए समकालीन भारतीय रंगमंच विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1 समकालीन भारतीय रंगमंच की विविध धाराओं का ज्ञान होगा

2. समकालीन रंगमंच के प्रमुख नाटककारों का ज्ञान होगा।

3. समकालीन रंगमंच के विभिन्न नाट्य-प्रयोक्ताओं का ज्ञान होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	इप्टा, पृथ्वी थिएटर, सुरभि थिएटर, पारसी थिएटर, गुरूशरणसिंह का सामुदायिक थिएटर, शीला भाटिया का ओपेरा थिएटर, झाडीपट्टी रंगभूमी	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	भारत की प्रमुख रंग संस्थाएँ	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -3	भारतीय समकालीन रंगमंच के विविध प्रयोग	10	3	2	15	25
मॉड्यूल -4	भारतीय समकालीन रंगमंच के प्रमुख नाट्य प्रयोक्ता शंभु मित्र, श्यामानंद जालान के.एन.पणिक्कर हबीब तनवीर, रतन थियम बंसी कौल ,बलवंत गार्गी विजया मेहता	10	3	2	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

योग		40	12	8	60	100

टिप्पणी:

41. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
42. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

43. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
44. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और रंगमंच) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. चेनी , शेल्डन ,रंगमंच, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान 2. ब्रोकेट , ओस्कर ,हिस्ट्री ऑफ़ थिएटर , पिएर्सन पब्लिकेशन 3.मिश्र , विश्वनाथ , भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत,कुसुम प्रकाशन 4 . आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 5 . शर्मा ,देवेन्द्र नाथ , पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,मयूर प्रकाशन , नोएडा 6. जैन , निर्मला , काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा , वाणी प्रकाशन
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.गुप्त , भरत , ड्रामेटिक कॉन्सेप्ट्स ,डी के प्रिंट वर्ल्ड , दिल्ली 2.मिश्र , विश्वनाथ ,स्तानिस्लाव्स्की ,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 3.महर्षि , अंजला, अ कोम्परिटिव स्टडी ऑफ़ ब्रेख्त एंड क्लासिकल इंडियन थिएटर , राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 4.वेलानी , अनमोल , बियॉन्ड द प्रोसीनियम ,इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
प्रदर्शनकारी कला विभाग
राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित
चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना
पाठ्यचर्या कोड : GPD
सत्र 2022 – 2023

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- नाटक लेखन एवं समालोचना

(2+2) Play Writing & Critism)

पाठ्यचर्या कोड: GPD 124

(Code of the Course)

34. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: चतुर्थ

(Credit-04) (Semester/Year- Fourth)

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाटक लेखन एवं समालोचन विषय के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए नाटक लेखन एवं समालोचन विषय के अंतरंग में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. नाटक लेखन की प्रक्रिया का ज्ञान होगो।
2. नाट्य भाषा कथोपकथन एवं लेखन शिल्प का ज्ञान होगा।
3. नाटक समालोचना के मूलभूत सिद्धांतों का ज्ञान होगा।
4. नाट्य प्रस्तुति एवं नाटक आलेख का समालोचना लिखेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	संस्कृत नाट्य लेखन / ग्रीक नाट्य लेखन	10	03	02	15	25
मॉड्यूल-2	नाटक के तत्व एवं सिद्धांत	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -3	नाटक की भाषा / शैली/शिल्प नाटक लेखन प्रक्रिया – विषय वस्तु का चयन, संवाद/कथोपकथन, रंग योजना, लेखन अभ्यास	10	03	02	15	25
मॉड्यूल -4	नाट्य समालोचना- परिभाषा एवं स्वरूप समालोचना के तत्व एवं सिद्धांत चयनित नाट्य समालोचना का अध्ययन नाट्य समालोचना लेखन	10	03	02	15	25
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

43. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
44. प्रत्येक सेमेस्टर में 0। क्रेडिट के लिए कुल ।5 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

45. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

46. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र"	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

"विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.ग्रीक नाट्यकला कोष, डॉ. कमल नसीम 2. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक, हजारी प्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन दिल्ली. 3. ड्रामटिक एलिमेंट इन मॉडर्न आर्ट्स – रवि चतुर्वेदी, पब्लिकेशन स्क्रीम, जयपुर 4. अंतरंग – बहिरंग, देवेन्द्र राज 'अंकुर' 5. भरतमुनि का नाट्यशास्त्र, बाबूलाल शुक्ल 'शास्त्री' 6. साहित्यक अभिरूचि और समीक्षा, एस.टी. नरसिंहाचारी,वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

		7. भारतीय सौंदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा, सुरेन्द्र एस. बरलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली. 8. साहित्य और सौंदर्य बोध, डॉ. मुकेश गर्ग,कनिष्क पब्लिशर्ष, दिल्ली.
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	40
ट्यूटोरियल/	12+8=20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)- शोध के मूलभूत आधार

पाठ्यचर्या कोड: GPD 126

(Code of the Course) : GPD 125

35. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: चतुर्थ

(Credit-04) (Semester/Year- Fourth)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य शोध के मूलभूत आधार से सामान्य परिचय कराते हुए शोध विषय में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. विद्यार्थियों में शोध अभिवृत्ति का विकास होगा
2. प्रदर्शनकारी कला तथा ज्ञान के क्षेत्र में नव अन्वेषण करेगा।
3. अंतर अनुशासनिक शोध की उपयोगिता को समझ सकेगा।
4. भारतीय कला परंपरा के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percen-tage share to the Course)
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-I	**शोध स्वरुप एवं सिद्धांत** -शोध की अवधारणा एवं स्वरुप -शोध के सिद्धांत -अंतरानुशासनिक शोध, शोध के दर्शनशास्त्रीय तथा समाजशास्त्रीय एवं इतिहासशास्त्रीय आधार - शोध विषय का चयन, सीमांकन, तथा उपादेयता -शोध उपकल्पना , शोध समस्या का चयन एवं निरूपण	10	03	02	15	25
मॉड्यूल-2	**शोध प्रविधि एवं प्रस्तुति –** -प्रदर्शनकारी कला एवं सिनेमा में शोध की स्थिति	10	03	02	15	25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

	और संभावनाएं, शोध विषय का चयन , प्रस्ताव / रूपरेखा एवं साहित्य पुनरावलोकन, शोध सामग्री , स्रोत , सूचना संग्रह, शोध लेखन – भाषा , तथ्यों की प्रमाणिकता, निष्कर्ष के आधार, सन्दर्भ , अनुक्रमणिका, परिशिष्ट					
मॉड्यूल -3	**शोध योजना एवं साहित्य अवलोकन –** -शोध परिकल्पना एवं योजना, -शोध विषय का निर्धारण , प्राविधि एवं मानदण्ड, -शोध प्रस्ताव तथा शोध सार (synopsis) की रूपरेखा एवं निर्माण ,शोध उपकरण, -शोधार्थी की नैतिकता एवं साहित्यिक चोरी	**10**	**03**	**02**	**15**	**25**
मॉड्यूल -4	**साहित्य अवलोकन –** -प्रमुख कलाग्रंथों का विवेचन एवं शोध दृष्टि (नाट्यशास्त्र ,शुक्रसारनीति , कामशास्त्र, भारतभाष्य , बृहद्देशी,वर्णरत्नाकर , -प्रस्तावित शोध विषय से सम्बंधित साहित्य पुनरावलोकन एवं सन्दर्भ सूची	**10**	**03**	**02**	**15**	**25**
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

45. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

46. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य1	लक्ष्य2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X

टिप्पणी:

47. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

48. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. शोध प्रविधि - डॉ. विजय मोहन शर्मा 2. शोध पद्धति - सी.आर.कोठारी 3. शोध प्रविधि – डॉ. एन.के. शर्मा
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रदर्शनकारी कला विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अंतर्गत संचालित

चार वर्षीय स्नातक (नाट्यकलाशास्त्र) पाठ्यचर्या संरचना

पाठ्यचर्या कोड : GPD

तृतीय वर्ष, सत्र 2022 – 2023

घटक	घंटे
कक्षा	15
ट्यूटोरियल/	45
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course)-

लघुशोध प्रबंध

(Dessertation)

पाठ्यचर्या कोड: GPD 126

(Code of the Course)

1. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर/वर्ष: तृतीय

(Credit-04) (Semester/Year- Third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्र द्वारा उनके क्षेत्र, अंचल जाकर क्षेत्रीय शोध करवाया जायेगा। इस हेतु शोध प्रविधि, शोध प्रक्रिया का ज्ञान उन्हें दिया जाएगा। संबंधित साहित्य अवलोकन एवं सामग्री संकलन की प्रक्रिया से परिचित कराया जाएगा साथ ही लघुशोध प्रबंध लेखन करवाया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा–

1. आंचलिक/क्षेत्रीय कला परंपराओं का ज्ञान होगा
2. शोध कार्य की प्रक्रिया से अवगत होगा।
3. शोध पद्धति से अवगत होगा।
4. लघु शोध प्रबंध का लेखन करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल प में प्रति (Perc shar Co
		व्या-ख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला Interaction/ Training/ Laboratory		
मॉड्यूल-1	आंचलिक कलारूपों का अध्ययन विद्यार्थी अपने अंचल के किसी एक कलारूपों अथवा कला व्यक्तित्व पर लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करेगा।	10	3	2	15	
मॉड्यूल-2	लघु शोध प्रबंध लेखन	-	-	-	-	
योग						

टिप्पणी:

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha